Q.2.- गउडवहो में वर्णित विन्ध्यवासिनी स्तुति के
सारांश लिखिए।

Ans- वाक्पतिराज अपने पूर्ववर्ती कवियों की तरह किसी एक देव की प्रशंसा के प्रतिस्द नहीं है बल्कि अनेक पौराणिक देवी-देवताओं की उन्होंने प्रशंसा की है।

वाक्पतिराजा ने 53 लम्बी गाथाओं में गाथा (285 से 337 तक) विन्ध्यवासिनी देवी का बड़ा ही मनोहर रूप चित्रण उपस्थित किया है। कहीं भक्ति के साथ वे भगवती की आराधना करते हैं। वे उन्हें पार्वती भैरवी चण्डी नारायणी शंकरी काली शबरी और तापसवी आदि नामों से जाना जाता है।

मन्दिर के भीतर दीपक प्रज्वलित हो रहा है, द्वार पर तोरण और घण्टे लगे हुए हैं। महिषासुर का मस्तक देवी के पैरों से भिन्न हो रहा है। पुष्प रक्त धूप आदि सुगन्धित पदार्थों से आकृष्ट होकर भ्रमर गुंजन कर रहे हैं। स्थान-स्थान पर रक्त की भेंट चढ़ाई गयी है। कपालों के मण्डल बिखरे हुए हैं

P.T.O

साधक लोग अक्षत, पुष्प एवं मुण्ड आदि से साधना कर रहे हैं। अरुण पताकाएँ ~~फहर~~ फहरा रही हैं। भूत-प्रेतात्माएँ रुधिर आसव का पान कर सन्तोष प्राप्त कर रही हैं। देवी-श्मशान में साधक लोग महामांस की बिक्री कर रहे हैं।

गौड़-मगध नृपति यशोवर्मा के भय से पलायन कर गया है। उसके सहायक राजा लौट आये हैं देवी की महिमा से राजा मगध को पराजित करते हैं।

शरीर से अलग रहने पर भी शंकर अर्द्धनारीश्वर के रूप में आपने हृदय में धारण करते हैं। मंदिर के उद्यान में आपने पुत्र कुमार कार्तिकेय से स्नेह युक्त नर्तन करने वाले मयूर-दलक्षणाय। के लिए भी उनसे अलग नहीं रहते।

देवी के वक्षस्थल में उनकी शोभा के लिए लाल-चंदन-चर्चित है जो बेल पत्र के रूप उनके श्री प्रदेशों में गड़ने के कारण मानो रक्त धारा बह रहा है इस देखकर सियारिनों को भ्रम हो जाता है कि बलि के कारण रक्त की धारा प्रवाहित हो रही है जिसके कारण वे कभी-कभी अपनी जीभ से भी उसे चाटती हैं।

मंदिर के भीतर दीपक की लड़खड़ाती लव के भीतर अंधकार में मानो जैसे कोई कुमत किसी का सिर बलिदान किये हुए लाल युक्त सिर जैसा, भयंकर रूप दिखाई पड़ता है। तुम्हारी उभरी हुई केश सदृश उनके श्री प्रदेश में मालूम पड़ता है कि शिव को

P.T.O.

आकर्षित करने और अपना प्रेम को उत्तेजना करने के लिए जब कुमारी थी उस समय प्रेम के भाव-विह्वल में अपना अप्रस्फुटित स्तन काटकर शिव को अर्पित कर दी। इस तरह शब्द शिल्पी वाक्पति राज ने ~~विंध्~~ विन्ध्यवासिनी स्तुति प्रकरण में मन मोहक चित्रण उपस्थित किये है।